

मसूदा के गांव देवमाली में पैंथर व दो शावकों की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत

मसूदा उपखंड का बन विभाग अलर्ट

मसूदा, (निस)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के ग्राम देवमाली में पिछले कई दिनों से पैंथर व दो शावकों की चहलकदमी किए जाने से ग्रामीणों में भय व्याप्त होने लगा है। वही बनविभाग ने गश्त शुरू की।

ग्राम देवमाली में पिछले काफी समय से पैंथर एवं दो शावकों के गांव के पास स्थित पहाड़ी पर कई बार चहलकदमी करते हुए ग्रामीणों ने देखा। गत दो दिनों से देखा जा रहा है पैंथर एवं दो शावकों के गांव के पास पहाड़ी की तलहटी के पास बने बाड़े के आस पास चहलकदमी करते जरूर आने से ग्रामीणों में मवेशियों की सुरक्षा को लेकर भय व्याप्त होने लगा है।

ग्राम के शारीर लाल गुर्जर सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि गांव के पास पैंथर एवं दो शावकों की मौजूदगी होने से मवेशियों के साथ साथ ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता साझाने लगी है। गांव के पास पैंथर एवं शावक नजर आने की जानकारी मिलने पर बन विभाग के बनपाल हजारी लाल धौंधी वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे एवं आस पास



मसूदा उपखंड क्षेत्र के गांव देवमाली में पैंथर व दो शावकों के दिखाई देने से ग्रामीणों में भय व्याप्त है।

के क्षेत्र की तलश की लेकिन पैंथर एवं शुरू की।

आस पास के क्षेत्र में भी नजर आए पैंथर : मसूदा उपखंड क्षेत्र के

कई गांवों में पैंथर नजर आने से पैंथर की संख्या को लेकर भी ग्रामीणों में भय व्याप्त होने लगा है। पिछले छह माह में दौलतपुरा द्वितीय, रेवरियों की ढाणी, हीरा रामा का बाड़िया, मानपुरा एवं जामोला सहित कई गांवों में पैंथर

पिछले काफी समय से पैंथर एवं दो शावकों के गांव के पास स्थित पहाड़ी पर कई बार घूमते हुए ग्रामीणों ने देखा।

एवं शावक के गांव देवमाली में पैंथर व दो शावकों के दिखाई देने से ग्रामीणों में भय व्याप्त है।

के लेकर ग्रामीणों में मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंता साझाने लगी है। वही ग्राम पंचायत नाड़ी के पास स्थित एवं मांसिसे वन विभाग द्वारा दो पैंथरों की चिंता रेलवे रेस्टेंट पर भी किया गया था। उसके बाद भी लालगातर क्षेत्र में पैंथर के मूवर्मेंट से क्षेत्र में काफी संख्या में पैंथर एवं शावकों की तलश की लेकर चिंता के साथ साथ गश्त भी की जा रही है।

जा रहा है।

बन व जंगल हुए वीरान : मसूदा उपखंड क्षेत्र में वन एवं जंगलों के वीरान होने के साथ साथ वन्यजीवों के लिए पेयजल उपलब्ध नहीं होने से वन्यजीवों के आवादी क्षेत्र के आस

पास दिखाई देना अम बात हो इह।

मवेशियों की बैसरस देशराम सोलार प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने जमीनी लीज पर ली है। उसी जमीन पर खेजड़ी के 200 बेड काटने की शिकायत पर पटवारी ने जाच की।

पैदल तहसील के काफी समय

से पैंथर एवं दो

शावकों के गांव के

पास स्थित पहाड़ी

पर कई बार घूमते हुए ग्रामीणों ने देखा।

एवं शावक दिखाई दिए थे। जिसको लेकर ग्रामीणों में मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंता साझाने लगी है। वही ग्राम पंचायत नाड़ी के पास स्थित एवं मांसिसे वन विभाग द्वारा दो पैंथरों की चिंता रेलवे रेस्टेंट पर भी किया गया था। उसके बाद भी लालगातर क्षेत्र में पैंथर के मूवर्मेंट से क्षेत्र में काफी संख्या में पैंथर एवं शावकों की तलश की लेकर चिंता के साथ साथ गश्त भी की जा रही है।

साथ ही मवेशियों की बैंल के पास चरान के ले जैन में खासी परेशानी होने से मवेशियों को जिम्बरवाड़े में रखना पड़ रहा है। हजारी लाल वनपाल मसूदा का काहना है कि ग्राम देवमाली में पैंथर एवं शावक दिखाई देने को लेकर ग्रामीणों ने जानकारी दी। जिसको पास पैंथर एवं शावकों की तलश की लेकर चिंता साझाने की चाही नहीं होती है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी। जिसको लेकर बनविभाग ने रात्रि गश्त

के लिए बैंल के बांगड़ हास्पिट की जायगा है।

जानकारी दी